विषयानुक्रमणिका

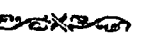

सप्तम परिच्छेद

विषय	पृष्ठ
सम्यक्त्व के भेद	१
चार निक्षेप तथा मूर्तिपूजन	२
व्यवहार धर्म और दया के आठ भेद	२०
निश्चयधर्म	२४
सम्यक्त्वधारी के कर्तव्य	२७
शङ्का अतिचार	२८
पंचम काल की मनुष्यायु	२९
आधुनिक भूगोल तथा जैनमान्यता	३३
प्रेतविद्या	३९
शास्त्र और उनके कल्पित अर्थ	३२
आकाङ्क्षा अतिचार	३६
विचिकित्सा अतिचार	३७
मिथ्यादृष्टि प्रशंसा अतिचार	४०
मिथ्यादृष्टि परिचय अतिचार	४१
आगार और उस के भेद	४१

अष्टम परिच्छेद

विषय	पृष्ठ
चरित्र धर्म के भेद और १२ व्रत	४५
१. प्राणातिपातविरमण व्रत	४५
हिंसा के भेद	४६
मर्यादित अहिंसा	४७
यतना (जयणा) का स्वरूप	५०
उक्त व्रत के पांच अतिचार	५३
२. मृषावादविरमण व्रत	५५
मृषावाद के पांच भेद	५७
उक्त व्रत के पांच अतिचार	५८
३. अदत्तादानविरमण व्रत	६०
अदत्त के चार भेद	६१
उक्त व्रत के पांच अतिचार	६३
४. मैथुनविरमण व्रत	६५
उक्त व्रत के पांच अतिचार	६६
५. परिग्रहपरिमाण व्रत	७०
चौदह प्रकार का अभ्यंतर परिग्रह	७०
नव प्रकार का इच्छापरिमाण व्रत	७१
उक्त व्रत के पांच अतिचार	७४
गुणव्रत का स्वरूप	७६

विषय	पृष्ठ
६. दिक् परिमाण व्रत	७७
उक्त व्रत के पांच अतिचार	७८
७. भोगोपभोग व्रत	७९
बाईस अभक्ष्य	८१
मदिरापान के दोष	८२
मांसभक्षण का निषेध	८४
देवता, पितरादि सम्बन्धी मांसपूजा का अनौचित्य	९०
मक्खन खाने का निषेध	९७
मधुभक्षण का निषेध	९८
रात्रि भोजन का निषेध	१०२
बहुबीज फलादि का वर्णन	१०६
अनन्तकाय का स्वरूप	११३
चौदह नियम	११५
पंदरह कर्मादान	१२१
उक्त व्रत के पांच अतिचार	१२६
८. अनर्थदण्डविरमण व्रत	१२८
आर्तध्यान के चार भेद	१२९
रौद्र ध्यान के चार भेद	१३२
उक्त व्रत के पांच अतिचार	१३७

विषय	पृष्ठ
९. सामायिक व्रत	१३८
काया के १२ दोष	१३९
वचन के १० दोष	१४२
मन के १० दोष	१४३
उक्त व्रत के पांच अतिचार	१४४
१०. दिशावकाशिक व्रत	१४५
उक्त व्रत के पांच अतिचार	१४६
११. पौषध व्रत	१४७
उक्त व्रत के पांच अतिचार	१५०
पौषध के १८ दोष	१५१
१२. अतिथिसंविभाग व्रत	१५३
उक्त व्रत के पांच अतिचार	१५७

नवम परिच्छेद

श्रावकदिनकृत्य	१५९
जागने की विधि	१५९
शुभाशुभ तत्त्व और स्वर का विचार	१६०
नमस्कार मन्त्र और जप विधि	१६४
धर्मजागरणा	१६९
स्वप्नविचार	१६९
व्रतभङ्ग का विचार	१७३

विषय	पृष्ठ
नियम-व्रत ग्रहण की योग्यता	२७४
सचित्त और अचित्त वस्तु	२७६
सचित्ताचित्त की कालमर्यादा	२७८
प्रत्याख्यान की विधि	२८२
चार प्रकार का आहार	२८३
मलोत्सर्गविधि	२८५
सम्मूर्च्छिम जीव के १४ उत्पत्तिस्थान	२८७
दंतधावनविधि	२८८
स्नानविधि	२८९
स्नानप्रयोजन	२९१
पूजा के वस्त्र	२९३
पूजासामग्री	२९५
जिनमन्दिरप्रवेश और पूजा विधि	२९९
अङ्गपूजा	३००
अग्रपूजा	३०६
भावपूजा	३०७
विविध पूजा	३१०
पूजा सम्बन्धी नियम	३१२
२१ प्रकार की पूजा	३१४
स्नात्रविधि	३१५

विषय	पृष्ठ
आरति और मङ्गलदीवे की विधि	२१८
कैसी प्रतिमा की पूजा करनी चाहिए ?	२२१
द्रव्यपूजा की विशेषता	२२३
पूजा का फल	२२५
चार प्रकार का अनुष्ठान	२२९
जिनमंदिर की सार संभाल	२३१
ज्ञान की आशातना	२३३
जिनमंदिर की ८४ आशातना	२३३
गुरु की ३३ आशातना	२३७
अन्य आशातना	२३९
देवादि सम्बन्धी द्रव्य का विचार	२४१
गुरुवन्दन और प्रत्याख्यान	२४९
गुरुविनय	२५२
अर्थचिन्ता	२५४
आजीविका के साधन	२५५
व्यापार और व्यवहार नीति	२६१
चार प्रकार का कर्मफल	२६६
देशान्तर में व्यापार	२६८
धन का सदुपयोग	२७२
देशादि विरुद्ध का त्याग	२७४

विषय	पृष्ठ
पिता से उचित व्यवहार	२७८
माता से उचित व्यवहार	२७९
भाई से उचित व्यवहार	२८०
स्त्री से उचित व्यवहार	२८२
पुत्र से उचित व्यवहार	२८५
स्वजन से उचित व्यवहार	२८७
गुरु से उचित व्यवहार	२८८
नगरवासी से उचित व्यवहार	२८९
परमत वाले से उचित व्यवहार	२९०
सामान्य शिष्टाचार	२९१
सुपात्रदान	२९३
भोजन सम्बन्धी नियम	२९७
भोजन के अनन्तर वन्दन, स्वाध्याय आदि कृत्य	३०२

दशम परिच्छेद

श्रावक का रात्रिकृत्य	३०४
निद्राविधि	३०५
दिन में सोना कि नहीं	३०६
विषयवासना की त्यागभावना	३०८
भवस्थिति का विचार	३०९

विषय	पृष्ठ
धर्ममनोरथ भावना	३१०
पर्वकृत्य	३११
तिथि सम्बन्धी विचार	३१२
चातुर्मासिक कृत्य	३१५
वर्षकृत्य—संघपूजा	३१६
साधर्मिवात्सल्य	३२०
यात्राविधि	३२२
स्नात्रमहोत्सव	३२४
श्रुतपूजा	३२५
उद्यापन	३२६
प्रभावना	३२६
आलोचनाविधि	३२७
आलोचना देने का अधिकारी	३२७
आलोचना के दस दोष	३२६
आलोचना से लाभ	३३०
जन्मकृत्य और अठारह द्वार	
१. निवासस्थान तथा गृहनिर्माण	३३१
२. विद्या	३३७
३. विवाह	३३८
४. मित्र	३४१

विषय	पृष्ठ
५. जिनमंदिर का निर्माण	३४१
६. जिनप्रतिमा का निर्माण	३४५
७. प्रतिमा की प्रतिष्ठा	३४८
८. परदीक्षा	३४९
९. तत्पदस्थापना	३४९
१०. पुस्तकलेखन	३४९
११. पौषधशाला का निर्माण	३५०
१२. जीवन पर्यन्त सम्यक्त्वदर्शन का पालन	३५१
१३. जीवन पर्यन्त व्रतादि का पालन	३५१
१४. आत्मदीक्षा—भाव श्रावक	३५१
१५. आरम्भ का त्याग	३५४
१६. जीवन पर्यन्त ब्रह्मचर्य	३५४
१७. ग्यारह प्रतिमा	३५४
संलेखना	३५६
१८. आराधना के दस भेद	३५७

एकादश परिच्छेद

जैनमत सम्बन्धी भ्रांतियां	३५८
कालचक्र	३५९
कुलकर और उन की नीति	३६२

विषय	पृष्ठ
श्री ऋषभदेव का जन्म	३६५
बाल्यावस्था और इक्ष्वाकु कुल	३६५
विवाह	३६६
सौ पुत्रों के नाम	३६७
राज्याभिषेक	३६८
चार वंश	३६९
भोजन पकाने आदि कर्म की शिक्षा	३७०
पुरुष की ७२ कलाएं	३७२
स्त्री की ६४ कलाएं	३७३
१८ प्रकार की लिपि	३७४
श्री ऋषभदेव ही जगत् के कर्त्ता-व्यवहार प्रवर्तक हैं	३७५
दीक्षा और छद्मस्थ काल	३७७
केवलज्ञान की प्राप्ति और समवसरण	३७९
मरीचि और सांख्यमत की उत्पत्ति	३८०
(श्रावक) ब्राह्मणों की उत्पत्ति	३८४
(आर्य) वेदों की उत्पति और उच्छेद	३८८
हिंसात्मक यज्ञ और पिप्पलाद	३९०
वेदमंत्र का अर्थ और वसुराजा	३९५
महाकालासुर और पर्वत	४०४
श्री ऋषभदेव का निर्वाण	४०९

विषय	पृष्ठ
श्री अजितनाथ और सगर चक्रवर्ती	४११
श्री संभवनाथ	४१३
श्री अभिनंदन नाथ, श्री सुमतिनाथ, श्री पद्मप्रभ, श्री सुपार्श्वनाथ, श्री चन्द्रप्रभु, श्री सुविधिनाथ	४१४
मिथ्यादृष्टि ब्राह्मण	४१५
श्री शीतलनाथ और हरिवंश की उत्पत्ति	४१५
श्री श्रेयांसनाथ और त्रिपृष्ट वासुदेव	४१७
श्री वासुपूज्यनाथ, श्री विमलनाथ, श्री अनंतनाथ	४१९
श्री धर्मनाथ, श्री शांतिनाथ, श्री कुन्थुनाथ, श्री अरनाथ	४२०
सुभूमचक्रवर्ती और परशुराम	४२१
श्री मल्लिनाथ, श्री मुनिसुव्रतनाथ	४३२
विष्णु मुनि तथा नमुचिबल	४३३
रावण और उस के दश मुख	४३८
श्री नमिनाथ, श्री नेमिनाथ	४३९
श्री कृष्ण और बलभद्र	४३९
श्री पार्श्वनाथ और श्री महावीर	४४२

द्वादश परिच्छेद

श्री महावीर के गणधरादि	४४४

विषय	पृष्ठ
सत्यकी और महेश्वरपूजा	४४५
कोणिक और श्राद्ध	४५१
प्रयाग तीर्थ	४५३
श्री महावीर का निर्वाण	४५३
गौतम और संशयनिवृत्ति	४५४
अग्निभूति और संशयनिवृत्ति	४५८
वायुभूति और संशयनिवृत्ति	४६०
अव्यक्त और संशयनिवृत्ति	४६१
सुधर्म और संशयनिवृत्ति	४६२
मंडिकपुत्र और संशयानवृत्ति	४६३
मौर्यपुत्र और संशयनिवृत्ति	४६४
अकंपित और संशयनिवृत्ति	४६५
अचलभ्राता और संशयनिवृत्ति	४६६
मैतार्य और संशयनिवृत्ति	४६७
प्रभास और संशयनिवृत्ति	४६७
श्री सुधर्मा स्वामी	४६८
श्री जम्बू स्वामी और दश विच्छेद	४६९
श्री प्रभव स्वामी	४७०
श्री शय्यंभव स्वामी	४७१
श्री यशोभद्र	४७३

विषय	पृष्ठ
श्री संभूतविजय और श्री भद्रबाहु	४७४
श्री स्थूलभद्र	४७५
श्री आर्य महागिरि और श्री सुहस्तिसूरि	४७६
सम्प्रति राजा	४७६
श्री वृद्धवादी और श्री सिद्धसेन	४७८
श्री सिद्धसेन और विक्रमराजा	४८०
विक्रमादित्य का समय	४८२
श्री वज्र स्वामी	४८३
श्री वज्रसेन सूरि	४८५
श्री मानदेव सूरि	४८६
श्री मानतुङ्ग सूरि	४९७
श्री उद्योतन सूरि	५००
श्री सर्वदेव सूरि	५०१
श्री मुनिचन्द्र सूरि	५०२
श्री अजितदेव सूरि	५०३
श्री हेमचन्द्र सूरि	५०३
श्री जगच्चन्द्र सूरि और तपागच्छ	५०४
श्री देवेन्द्र सूरि तथा श्री विजयचन्द्र सूरि	५०५
श्री धर्मघोष सूरि	५०८
श्री सोमप्रभ सूरि	५१२
श्री सोमतिलक सूरि	५१३

विषय	पृष्ठ
श्री देवसुन्दर सूरि	५१४
श्री सोमसुन्दर सूरि	५१५
श्री मुनिसुन्दर सूरि	५१६
श्री रत्नशेखर सूरि	५१७
लुंका मत की उत्पत्ति	५१७
श्री हेमविमल सूरि	५२०
श्री आनन्दविमल सूरि और क्रियोद्धार	५२०
श्री विजयदान सूरि	५२२
श्री हीरविजय सूरि	५२३
अकबर महाराजा से भेंट	५२५
अकबर महाराजा के जीवहिंसा निषेधक फरमान	५२७
श्री शांतिचन्द्र उपाध्याय और अकबर बादशाह	५३१
श्री विजयसेन सूरि	५३२
ढूढंक मत की उत्पत्ति	५३६
अनुयायी शिष्य परिवार	५३७
श्री यशोविजय जी उपाध्याय	५४१
श्री सत्यविजय गणि	५४१
श्री क्षमाविजय गणि की शिष्य परंपरा	५४२
लेखककालीन मत	५४२